

हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स को बनाने होंगे स्टूडेंट्स काउंसलिंग सेंटर

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स में स्टडी कर रहे स्टूडेंट्स में आजकल एक प्रॉब्लम कॉमन होती जा रही है और वो प्रॉब्लम है स्ट्रेस और कैरियर की टेंशन। कॉम्पटिशन भरी लाइफ में खुद को स्टेबल करने और पैरेंट्स की ओवर एक्सपेक्शन को लेकर अक्सर स्टूडेंट्स डिप्रेशन में चला जाता है और खुद को इस रेस में पिछड़ा महसूस करता है। स्टूडेंट्स की इन्हीं प्रॉब्लम्स को देखते हुए यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन (यूजीसी) ने एनिशिएटिव लिया है। यूजीसी ने हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स को कैम्पस और कैम्पस के बाहर स्टूडेंट्स की सेफ्टी अश्योर करने को लेकर गाइडलाइन जारी की है। हाल ही में यूजीसी ने सभी हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स और यूनिवर्सिटीज को निर्देश जारी करते हुए कैम्पस में स्टूडेंट्स काउंसलिंग सेंटर शुरू करने को कहा है।

इंस्टीट्यूट्स और स्टूडेंट्स के बीच ब्रिज का काम करेगा प्रोग्राम

यूजीसी ने हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स और यूनिवर्सिटीज को एक ऐसा स्टूडेंट्स काउंसलिंग सिस्टम तैयार करने को कहा है जो इंस्टीट्यूट्स और स्टूडेंट्स के बीच एक ब्रिज का काम करे। ये एक यूनीक, इंटरैक्टिव और टारगेट ओरिएंटेड सिस्टम होगा, जो स्टूडेंट्स की प्रॉब्लम्स का पता लगा कर उन्हें डिप्रेशन से बाहर निकालेगा। इस सिस्टम का टीचर्स, स्टूडेंट्स और पैरेंट्स भी हिस्सा होंगे। काउंसलर और टीचर्स को इस तरह ट्रेड किया जाएगा कि वो पैरेंट्स की तरह स्टूडेंट्स के टच में रहकर उनकी प्रॉब्लम्स का पता लगाएंगे। काउंसलर और टीचर्स, स्टूडेंट्स के रेगुलर टच में रहकर उन्हें कैरियर को लेकर गाइड भी करते रहेंगे।

यूजीसी का ये एक अच्छा इनिशिएटिव है। काउंसलिंग सेंटर में स्टूडेंट्स को इंडविजुअल या पर्सनली ही नहीं ग्लोबली असिस्ट किया जाएगा। स्टूडेंट्स को कैरियर स्ट्रेस के अलावा भी कई और प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। ऐसे में काउंसलिंग सेंटर स्टूडेंट्स के लिए काफी हेल्पफुल होंगे। इंस्टीट्यूट्स में साइकोलॉजी का कंट्रीब्यूशन बढ़ाना यूजीसी का अच्छा कदम है।

प्रो. मधु जैन, एचओडी, साइकोलॉजी डिपार्टमेंट, राजस्थान यूनिवर्सिटी



यूजीसी का स्टूडेंट्स काउंसलिंग सेंटर का कॉन्सेप्ट अच्छा कदम है। जल्द ही यूनिवर्सिटी में सेंटर की स्थापना की जाएगी। काउंसलिंग सेंटर न केवल स्टूडेंट्स की प्रॉब्लम्स दूर करेंगे, बल्कि ये स्टूडेंट्स के ओवरऑल डवलपमेंट में भी सहायक होंगे। काउंसलिंग सेंटर स्टूडेंट्स और इंस्टीट्यूट्स के बीच गैप को भी कम करने में हेल्पफुल होंगे।

डॉ. राजीव गुप्ता, प्रो-वीसी, राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी



वॉर्डन से को-ऑर्डिनेट करेंगे काउंसलर और टीचर्स

पिछले कुछ समय से यूजीसी इस प्रोग्राम को लेकर काम कर रहा था। यूजीसी की ओर से जारी गाइडलाइन के अर्कोर्डिंग काउंसलर और टीचर्स हॉस्टल में रह रहे स्टूडेंट्स के वॉर्डन से भी को-ऑर्डिनेट करेंगे और स्टूडेंट्स की एकेडमिक रिपोर्ट, पर्सनल डिटेल और बिहेवियर पैटर्न को भी एक्सचेंज कर सकेंगे। यूजीसी ने स्टूडेंट्स काउंसलिंग सेंटर में एक साइकोलॉजिस्ट को भी अपॉइंट करने के निर्देश दिए हैं, जो समय-समय पर स्टूडेंट्स की काउंसलिंग कर उनकी प्रॉब्लम्स को दूर कर उन्हें गाइड कर सके।